[श्री राधेलाल व्यास]

भूलना चाहिये कि हम हमेशा बाहर से अनाज मंगा कर उस पर निर्भर नहीं कर सकते हैं। हमें जल्दी ऐसे प्रयत्न करने चाहियें जिनसे हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें और इतना अनाज पैदा कर सकें जिससे हमारी जरूरियात पूरी हो सकें।

18 hrs.

यह ठीक है कि हमारे यहां जमीन काफी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न जो इस देश के सामने है वह यह है कि प्रति एकड़ उत्पादन को बढ़ाया जाये। दुनिया में हिन्दुस्तान ही एक ऐसा देश है जहां पर एकड़ उत्पादन बहुत कम होता है। इस ओर बहुत ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। हम उत्पादन काफी आगे बढ़ा सकते हैं लेकिन इसके लिये जो भी साधन हों उन्हें जुटाया जाना चाहिये। दो वर्ष पहले चीन ने हम पर हमला किया और आज फिर लड़ाई के बादल मंडरा रहे हैं। मालूम नहीं है कि आज जो स्थिति हमारे बार्डर्स पर है, हमारे सीमा प्रदेश पर है, वह और कितना भयंकर रूप धारण कर ले। इधर हमारी आबादी भी प्रति वर्ष एक करोड़ अधिक बढ़ती चली जा रही है। इसलिये इस अन्न के मामले में, कृषि के उत्पादन के मामले में जब तक एक क्रान्तिकारी कदम नहीं उठाया जायेगा तब तक कुछ नहीं हो सकेगा। जिस प्रकार से हम आज चल रहे हैं, जिस योजना के अनुसार हम आज चल रहे हैं उसमें हमें कोई ज्यादा आशा नजर नहीं आती। इसलिये इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है और कोई ऐसे ठोस कदम उठाये जाने चाहियें जिनसे हमारे यहां कृषि उत्पादन काफी बढ़ सके।

श्री हुकम चन्द कछवाय: उपाध्यक्ष महोदय 6 बज गया है।

Mr. Deputy-Speaker: Let him finish.

Shri Radhelal Vyas: I will continue on the next day, Sir.

Mr. Deputy-Speaker: All right; he will continue on the next day.

18.01 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

THIRTY-SIXTH REPORT

Shri Rane (Buldana): Sir, I beg to present the Thirty-sixth Report of the Business Advisory Committee.

18.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Wednesday, April 28, 1965/Vaisakha 8, 1887 (Saka).

GMGIPND—RS—457 (ai) LS—J. C. No. 8545/65-66—1-6-65—970.